P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-1* September- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

# नई सूचना तकनीक एवं पत्रकारिता का बदलता स्वरूप

**अरविन्द कुमार सिंह**,
असिस्टेंट प्रोफेसर,
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग,
बीबीए केन्द्रीय विष्वविद्यालय,
लखनऊ

**सारांश**

सोशल मीडिया एवं अन्य प्रकार के नये सूचना तकनीक आधुनिक समाज का एक बहुत ही अभिन्न अंग बन गये हैं। नये जनमाध्यम का उपयोग बढ़ने के साथ साथ इसके प्रभाव क्षेत्र एवं तीव्रता में भी काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसका प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र पर पड़ा है। पत्रकारिता का क्षेत्र भी इससे अछूता नही रहा है। सूचना तकनीक का इस्तेमाल पत्रकारिता के क्षेत्र में अधिकतम ढंग से किया जा रहा है। इसके कारण पत्रकारिता के स्वरूप में भी काफी बदलाव हुआ है। इससे इसकी गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है। यह प्रभाव सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ढंग से पड़ रहा है। इस शेधपत्र में पत्रकारिता के क्षेत्र में हो पहे बदलाव एवं नये माध्यमों के सन्दर्भ में प्रभाव का विष्लेशण किया गया है।

**मुख्य शब्द :** पत्रकारिता, सूचना तकनीक, प्रभाव, बदलाव, नया माध्यम।

**प्रस्तावना**

पत्रकारिता सदियों सें लोगों के लिए समाचार सूचना का साधन बनी हुई है। इसके सूचना सम्प्रेशण की अपनी एक प्रक्रिया होती है। इसमें सूचनाएं एक निश्चित चरण से होते हुए गुजरती हैं। एक लम्बे समय तक इसके कार्य प्रणाली में काफी हद तक स्थिरता बनी रही है और तकनीकों का समय समय पर होने वाले प्रवेष ने इसके स्वरूप में बहुत ही स्वाभाविक, सहज एवं स्वीकार्य ढंग से बदलाव ले आया है। ये बदलाव अपने आप में इस रूप में नही थे कि वे बहुत क्रान्तिकारी दिखे। वे धीरे धीरे इस ढंग से होते गये कि लोग उसके साथ सहज ढंग से स्वयं को ढाल लिया।

किन्तु इन्टरनेट तकनीक के उद्दभव के साथ ही पत्रकारिता की कार्यप्रणाली में कई प्रकार के बदलाव काफी स्पष्ट एवं वृहद्तौर पर सामने आया है। यह बदलाव उसके स्वरूप एवं विषयवस्तु से ले करके कार्य करने के ढंग एवं पाठकों द्वारा उसके साथ किये जाने वाले व्यवहार में भी दिखता है। तकनीकों के प्रभाव के कारण से विष्व के सभी देषों की पत्रकारिता पर काफी प्रभाव पड़ रहा है और यह प्रभाव विकासषील एवं विकसित देषों में भिन्न भिन्न ढंग से पड़ा है। वर्तमान में पत्रकारिता के स्वरूप पर पड़ने वाले विविध प्रकार के प्रभावों के बारे में वार्शिक तौर पर भी विविध संभावनाओं को व्यक्त किया जाने लगा है। उदाहरण के लिए वर्श 2017 के लिए पत्रकारिता के स्वरूप पर रायटर इंस्टीट्यूट फार जर्नलिज्म द्वारा कई प्रकार की बातें कही गयी हैं।

पिछले कुछ वर्शो में हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप में काफी अधिक बदलाव आया है। टीवी पत्रकारिता अब काफी अधिक रोचक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाता है। इस पर दिये जाने वाले विविध प्रकार की सामग्रियों को किसी न किसी साइट से लिंक करा दिया जाता है। इसमें यूट्यूब, फेसबुक, ट्वीटर एवं विविध प्रकार के ब्लॉग शामिल हैं। विविध कम्पनियॉ सोषल मीडिया पर अपने ढंग से समाचार देती हैं। समाचारों को ज्यादा से ज्यादा रोचक बना करके प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाता है। इसी प्रकार से शेधपरक समाचार तथा विष्लेशणात्मक समाचार पर भी काफी अधिक जोर दिया जाता है। अब यह कहा जा रहा है कि पत्रकारिता एक नये दौर से गुजर रही है और इसमें तकनीक एवं ऑकड़ों का काफी अधिक महत्व हो गया है। अब इस क्षेत्र में काफी लोग आने लगे हैं। (Matt Manahan, 2015)

**समस्या का वर्णन**

नयी सूचना तकनीक का जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ा है। इसके बारे में काफी बातें कही जा रही हैं। विविध अध्ययनों से यह स्पशट है कि इसका समाज पर सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ढंग से प्रभाव पड़ रहा है। दुनिया के सभी देषों में इसके विविध पक्षों पर शेध कार्य किये जा रहे हैं। (Rooh-e-Aslam, Ali, S., & Shabir, D. (2009) सूचना तकनीक का सबसे

अधिक इस्तेमाल पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में ही किया जा रहा है। वर्तमान में रेडियो, टीवी, प्रिंट पत्रकारिता के क्षेत्र में नये माध्यमों का इस्तेमाल काफी व्यापक रूप में किया जाने लगा है। इस क्षेत्र में इसके इस्तेमाल के कारण ही इसका सबसे अधिक प्रभाव भी इसी क्षेत्र में दिख रहा है। अतः इसके प्रभाव के बारे में शेधपरक विष्लेशण से इसके उपयोगिता एवं अनुपयोगिता के बारे में काफी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए वर्तमान शेध अध्ययन का महत्व स्वयं ही सिद्ध हो जाता है।

**साहित्यावलोकन**

न्यू मीडिया का पत्रकारिता पर प्रभाव के बारे में काफी बातें कही गयी हैं। इसके बारे में विविध प्रकार से अध्ययन भी किये गये हैं। इसके अन्तर्गत लोगों के बीच संचार के तौर तरीके के बारे में भी अध्ययन किया गया है। (Siobhan McGrath, 2012) इसके अन्तर्गत विभिन्न वर्गो के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का भी अध्ययन किया गया है (Abhishek Karadkar, 2015 ) सोषल नेटवर्किंग साइट का भारतीय युवाओं पर प्रभाव के बारे में अध्ययन के आधार पर कई प्रकार की जानकारियॉ सामने आयी gSA (Dr. M. Neelamalar and others, 2009)

**अध्ययन का उद्देश्य**

नये सूचना तकनीक का पत्रकारिता के विविध पक्षों पर काफी अधिक प्रभाव पड़ा है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस शेध का निम्न उद्देश्य निर्धारिता किये गये हैं।

पत्रकारिता के क्षेत्र में किस प्रकार से बदलाव हो रहे है, इसके बारे में जानकारी प्राप्त करना है।

इस शेध का एक अन्य उद्देश्य नये माध्यम का पत्रकारिता पर पड़े वाले प्रभाव का भी विष्लेशण करना है।

**अध्ययन विधि**

प्रस्तुत शेध के लिए प्राथमिक सामग्री हेतु विविध पारम्परिक जनमाध्यमों तथा न्यूज पोर्टल के विषयवस्तु एवं कार्य प्रणाली अध्ययन किया गया है, जिसमें कि निरीक्षण विधि का इस्तेमाल किया गया है। इसी के साथ विविध प्रकार के साहित्य प्रकाषन, शेध रिपोर्ट आदि में दिये गये सामग्री का द्वितीयक सामग्री के तौर पर उपयोग किया गया है, जिससे कि इसके बारे में बृहद् तौर पर जानकारी को प्रस्तुत किया जा सके। इस अध्ययन में गुणात्मक पद्धति का अपनाया गया है।

**विश्लेषण**

सूचना तकनीक हमारे जीवन का एक बहुत ही अभिन्न अंग बन गया है। इसके माध्यम से पत्रकारिता के कार्य को बहुत ही प्रभावी ढंग से किया जाने लगा है। पत्रकारिता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। किन्तु विविध समाचारपोर्टल एवं अन्य प्रकार के वेबसाइट के निरीक्षण करने पर ज्ञात होता है कि स्वयं पत्रकारिता भी सूचना तकनीक से विविध प्रकार से प्रभावित होने लगी है। जिस प्रकार से सूचना तकनीक का पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रभाव पड़ रहा है उसमें निम्न मुख्य बातें उभर करके सामने आती हैं –

1. लोगों का मीडिया के साथ द्विपक्षीय संचार।
2. सूचनाओं तक आसानी के साथ पहुॅच।
3. सतत् ज्ञान की उपलब्धता।
4. सामूहिकता।
5. विविध प्रकार की सामग्रियों का एकत्रीकरण।
6. मीडिया के निर्माणकर्ता एवं उपभोगकर्ता के बीच अन्तराल में कमी।
7. नवीनतम सूचनाओं की प्राप्ति।
8. सामाजिक समागम एवं सहयोग।
9. जनमाध्यमों की तुलना में अधिक सामग्री की उपलब्धता।
10. समय एवं स्थान विस्थापित सामग्री की उपलब्धता।

यहॉ पर आगे पत्रकारिता पर नये माध्यमों के कारण पड़ने वाले विविध प्रकार के प्रभावों का थोड़ा विस्तार से विष्लेशण करने का प्रयास किया गया है। यह विष्लेशण प्राथमिक ऑकडों के साथ विविध प्रकार के द्वितीयक सामग्री एवं शेध अध्ययनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर किया गया है। नयी सूचना तकनीक के कारण पत्रकारिता के सभी पक्षों पर विविध प्रकार से प्रभाव पड़ा है। इसमें से निम्न मुख्य हैं।

**पारम्परिक माध्यम एवं नये माध्यम**

पारम्परिक मीडिया के अन्तर्गत रेडियो, टीवी, प्रिंट माध्यम आते हैं जो कि एक लम्बे समय से समाज में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये विज्ञापन के क्षेत्र में भी बहुत ही महत्वपूर्ण साधन के तौर पर इस्तेमाल किये जाते रहे हैं और विज्ञापन ही इनके आय का एक बहुत मुख्य साधन रहा है। अब यह एक प्रमुख जनमाध्यम बनता जा रहा है।

न्यू मीडिया के अन्तर्गत वे डिजिटल माध्यम आते हैं जो कि इन्टरैक्टिव, द्विपक्षीय संचार करने में सक्षम होते हैं और वे किसी न किसी प्रकार से कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट से जुड़े होते हैं। राबर्ट लोगान अपनी पुस्तक अंडरस्टैडिंग न्यू मीडिया में लिखते हैं कि न्यू मीडिया बहुत ही आसानी के साथ प्रोसेस, स्टोर एवं बदली, प्राप्त की जा सकती है। (Robert Logan, *Understanding New Media*) इसमें एक साथ कई प्रकार की सुविधाएं होती हैं जो कि पारम्परिक माध्यमों में नही होती हैं। पारम्परिक मीडिया इन्टरैक्टिव नही होता है। न्यू मीडिया के उपयोगकर्ता स्वयं कन्टेन्ट निर्माण करने वाले होते है। प्रोफेसर लेव मानवीच के अनुसार न्यू मीडिया कम्प्यूटर जैसे उपकरणों पर काफी अधिक निर्भर करती है।

**समाचार माध्यम के संगठनों एवं स्वरूप में बदलाव**

नये तकनीकों के कारण से पारम्परिक समाचार संगठनों के स्वरूप एवं कार्य प्रणाणी में काफी बदलाव करना पड़ा है। यह प्रभाव मुख्यतौर से प्रिंट, टीवी एवं रेडियो माध्यमों पर दिख रहा है। वर्तमान में सभी प्रिंट समाचारपत्र का वेब संस्करण प्रकाषित किया जाना अनिवार्य हो गया है। अब वेब माध्यम को ध्यान में रख करके समाचारपत्रों के कार्यालयों की संरचना एवं उसमें कार्य किये जाने लगे हैं। रेडियो को इन्टरनेट माध्यम को ध्यान में रख करके प्रसारित किया जाता है और इस कारण से कार्यक्रमों का स्वरूप काफी बदल गया है। (L. A. Heberlein, 2002). इसी तरह से टीवी समाचार माध्यम पर दिये जाने वाली सामग्री को इन्टरनेट माध्यम को ध्यान

में रख करके तैयार की जाती है और उसे इस पर पोस्ट भी किया जाता है।

**नये तकनीकों से पत्रकारिता के किया कलाप में बदलाव**

वर्तमान में समाचारों संग्रह के तौर तरीके में काफी अधिक बदलाव उत्पन्न हुआ है। अब स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्टवाच आदि इस प्रकार के उपकरण आ गये हैं जिससे कि समाचार के संग्रह का कार्य काफी अलग तरीके से किया जाने लगा है। अब एक रिपोर्टर को इतने प्रकार की सुविधाए मिल गयी है कि वे अब अपने कार्य को काफी तकनीकी ढंग से करने लगे हैं। वर्तमान में ध्वनि एवं दृष्य को रिकार्ड करने के लिए कई प्रकार के उपकरण हैं। डिजिटल, आडियो रिकार्डर एक प्रकार से छोटा रिकार्डिंग स्टूडियो हैं, जिसमें कि समाचार आदि सामग्री की आडियो रिकार्डिंग की जा सकती है। इसी प्रकार से डिजिटल कैमरा से फोटो एवं वीडियो रिकार्ड किया जा सकता है। यूट्यूब ने सबको स्वयं ही प्रसारण का अवसर दे दिया है। समाचार को पकड़ने एवं जानने की प्रक्रिया में काफी बदलाव आया है। (Aleks Krotoski, 2011)

लैपटाप, नोटपैड की मदद से रिपोर्टर अपने कार्यालय से बाहर रह करके भी उसी प्रकार से कार्य कर सकता है, जिस प्रकार से वह कार्यालय में करता है। मोबाइल ऐप की मदद से किसी खास प्रकार के क्षेत्र में कार्य करने में काफी मदद मिलती है। उदाहरण के वीडियो फिल्म सम्पादन, फोटो सम्पादन आदि। स्मार्टफोन में अधिकतम प्रकार के टूल उपलब्ध होते हैं। यह एक प्रकार से पाकेट में आफिस को रखने के समान हो गया है, जिससे कि आफिस की तरह की भी सुविधाएं मिल गयी हैं। वर्तमान में एक दूसरे से सम्पर्क के लिए ई मेल, मैसेजिंग, सोषल मीडिया, सेलुलर टेलीफोन नेटवर्क, वायरलेस इन्टरनेट के साधन उपलब्ध हैं।

अब सोषल मीडिया का इस्तेमाल समाचार संग्रह के लिए किया जाने लगा है। इसके लिए सोषल मीडिया को मानीटर किया जाता है। इस कार्य हेतु भी विविध प्रकार के टूल विकसित किये गये हैं। इसके माध्यम से वे महत्वपूर्ण साइट पर नजर रखते हैं। अन्तर्राश्ट्रीय समावारों को पाने के लिए दूसरे भाषाओं की साइट पर भी नजर रखी जाती है। इसी प्रकार से सोषल नेटवर्क का भी इस्तेमाल जनमत को जानने के लिए किया जाता है। इससे लोगों से सीधे सम्पर्क करके समाचार पाने का प्रयास किया जाता है। (Alastair Reid, 2014) समाचार में विविध प्रकार से शेध करने के लिए आनलाइन न्यूजपेपर आर्काइव क्राउड सोर्सिंग एवं ग्लोबल जर्नलिज्म उपलब्ध हैं। इसके माध्यम से रिपोर्टर किसी भी प्रकार की घटना के बारे में उसके पीछे के रिकार्ड आदि को बहुत ही आसानी के साथ कही भी रहते हुए प्राप्त कर सकते हैं।

**पाठकों द्वारा समाचार के उपयोग में बदलाव**

पाठकों के समाचार के उपयोग के तौर तरीके में भी काफी बदलाव हुआ है। अब वे किसी प्रकार के समाचार के साथ और अधिक अन्तर्क्रिया कर सकते हैं। इसमें से निम्न प्रकार की अन्तर्क्रिया मुख्य हैं।

1. वे समाचार पर कमेन्ट दे सकते हैं।
2. उसे लाइक कर सकते हैं।
3. उसे प्रिन्ट कर सकते हैं।
4. वे उसे आरएसएस फीड कर सकते हैं।
5. आडियो वीडियो अपलोडिंग कर सकते हैं।
6. एक साथ विविध प्रकार के समाचारों की तुलना कर सकते हैं।
7. समाचार को अन्य भाषा में पढ़ सकते हैं।
8. उसके साथ आडियो एवं वीडियो पोस्ट कर सकते हैं।

पाठक अब किसी भी घटना के समाचार को भिन्न भिन्न वेबसाइट पर देख करके उसके बारे में विविध प्रकार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वास्तव में वर्तमान में एक व्यक्ति को इतने प्रकार की सुविधाएं प्राप्त हो गयी हैं कि स्वयं उसे भी इसके बारे में जानकारी नही रहती है। पहले जहॉ पर कई लोगों के बीच में समाचार पाने के लिए एक उपकरण होते थे, वहीं पर अब प्रत्येक व्यक्ति के पास समाचार को एकत्र करने के साधन उपलब्ध हो गये हैं। समाचार एवं उसके विज्ञापन को व्यक्तिगत् स्तर पर प्रस्तुत किया जाता है, जिससे कि लोगों को स्थान एवं रूचि को ध्यान में रख करके समाचार दिया जा सके। वर्तमान पत्रकारिता में पाठकों के सन्दर्भ में विविध प्रकार के ऑकड़े एकत्र करने के बहुत ही स्मार्ट तरीके विकसित होते जा रहे हैं। षायद यही कारण है कि पाठकों के निजता की रक्षा को ले करके भी वर्तमान पत्रकारिता में एक बहुत ही गंभीर संकट खड़ा हो गया है। युवा वर्ग समाचार के उपयोग के तौर तरीके में कही अधिक बदलाव आया है। वे स्मार्ट फोन का लगातार इस्तेमाल करते हैं। (Lavanya Rajendran and Preethi Thesinghraja, 2014)

**प्रत्येक पाठक एक पत्रकार**

वर्तमान में एक व्यक्ति के लिए न्यूनतम प्रयास में अधिकतम समाचार एकत्र करने एवं उसे सोषल मीडिया, सिटिजन साइट आदि पर पोस्ट करने का अवसर मिला हुआ है। संचार के नये नये तकनीकों की उपलब्धता ने आम पाठक को एक रिपोर्टर के रूप में बदल दिया है। उसके पास स्मार्टफोन है, जिसमें कि टैक्स्ट टाइप करने, आडियो रिकार्ड करने, वीडियो रिकार्ड करने एवं उसे कही भी पोस्ट करने तथा विविध प्रकार से सम्पादन करने की भी सुविधा होती है। कोई भी पाठक किसी घटना के बारे में स्वयं एक खोजी पत्रकार के रूप में जानकारी एकत्र कर सकता है। इसके लिए उसके पास सूचना तकनीक सम्बन्धी विविध प्रकार के साधन उपलब्ध हो गये हैं।

**सिटिजन पत्रकारिता**

हिन्दी पत्रकारिता एवं अन्य पत्रकारिता में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव सिटिजन पत्रकारिता के कारण हुआ है। इसने सभी जनमाध्यमों में अपना स्थान बना लिया है। समाचारपत्र से ले करके सभी टीवी चैनल आदि वर्तमान में सिटिजन पत्रकारिता को बहुत ही प्रमुखता के साथ बढ़ावा दे रहे हैं। इस कारण से स्थानीय समाचारों को काफी अधिक महत्व मिलने लगा है। वर्तमान में पाठक किसी भी माध्यम के साथ निश्क्रिय रूप से न हो करके अब सक्रिय रूप में होते हैं। अब वे भागीदारीपूर्ण पत्रकारिता करने लगे हैं। यह प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है। इस कारण से जनमाध्यमों में ई–मेल एवं अन्य प्रकार

के सोषल मीडिया के माध्यम से सन्देष को दिया जाना संभव हो गया है।

सभी जनमाध्यमों द्वारा ज्यादा से ज्यादा पाठकों को अपनी तरफ जोड़ने की प्रवृत्ति हो रही है। इस समय पाठक, समाचार स्रोत एवं समाचार माध्यम के बीच सम्बन्ध काफी बदल गये हैं। विविध पकार के उपकरण बहुत ही आसानी के साथ लोगों को उपलब्ध भी हो गये हैं। इसमें डिजिटल कैमरा, इन्टरनेट, स्मार्टफोन, ई मेल, ब्लॉग, वाईफाई सैटेलाइट नेटवर्क जैसे साधन मुख्य हैं। इसने एक आम नागरिक को ऐसे उपकरण एवं सहूलियत प्रदान कर दिया है। अब रेडियो, टीवी एवं समाचापत्रों में विविध प्रकार से अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

पत्रकारिता की भाषा में बदलाव– न्यू मीडिया के कारण पत्रकारिता की भाषा में भी काफी बदलाव हुए है। हिन्दी भाषा पाठकों के कमेंन्ट में हिन्दी एवं अंग्रेजी मिश्रित भाषा का काफी अधिक इस्तेमाल किया जाने लगा है। समाचार को प्रस्तुत करने के सन्दर्भ में रिपोर्टर पर पड़ रहे दबाव के कारण भाषा में अशुद्धिया भी अब काफी अधिक होने लगी हैं। इस प्रकार की अशुद्धियों को सही करने का कोई विषेश प्रयास भी नही किया जाता है।

**लेखन के तरीके में बदलाव**

नई तकनीक के कारण अब लेखन के तौर तरीके पर भी प्रभाव पड़ा है। यह प्रभाव बहुस्तरीय एवं बहुआयामी रूप में दिखायी देता है। उदाहरण के लिए ट्वीटर पर दिये गये कमेन्ट को उसी रूप में कापी पेस्ट करके प्रस्तुत कर दिया जाता है। यह समाचार की विष्वसनीयता को बढ़ाने एवं कार्य करने की सहजता के कारण ही संभव हो पाता है। इसी प्रकार से किसी व्यक्ति द्वारा पोस्ट किये गये पिक्चर आदि को भी पेस्ट करके प्रस्तुत किया जाने लगा है।

**लेखन का फार्मेट**

न्यू मीडिया के कारण टीवी माध्यम पर समाचार प्रस्तुत करने के तौर तरीके पहले की तुलना में अब कई प्रकार से बदल गये हैं। न्यू मीडिया द्वारा उपलब्ध सुविधा के कारण समाचारपत्र हेतु समाचार लेखन का तरीका अब काफी तकनीकी हो गया है। ग्रैफिक बनाने की सुविधा के कारण समाचारों के साथ इसे अब काफी अधिक दिया जाने लगा है। टीवी पर समाचारों के पढ़ने की गति इस प्रकार से होती है कि कई बार तो उसे समझ पाना भी संभव नही हो पाता है, क्योकि उन्हे एक निष्चित समय के अन्दर प्रस्तुत करना होता है। समाचार के प्रस्तुत करने का तरीका बहुत ही नाटकीय रूप में हो गया है। किसी एक समाचार को इस ढंग से प्रस्तुत किया जाता है, जिससे कि उसे लोग देखने, सुनने के लिए प्रयास करें। वेब माध्यम पर समाचार लेखन में समाचार के लिए किसी प्रकार के डेडलाइन की बात नही रह गयी है।

**विज्ञापनों की अधिकता**

न्यू मीडिया के कारण विज्ञापनों को देने के तरीके भी बदले है।(Grant Christian, 2014) इस कारण पारम्परिक माध्यमों के विज्ञापन पर भी प्रभाव पड़ा है। टीवी समाचारों में विज्ञापनों की काफी अधिक बहुलता हो गयी है। कई बार ऐसा महसूस होता है कि अब समाचार का स्थान विज्ञापन एवं विज्ञापन का स्थान समाचार ने ले लिया है। पहले जहॉ समाचारपत्रों में एक कवर पेज विज्ञापन के लिए दिया जाता था, वही पर अब दो या और भी अधिक पेज विज्ञापन का दिया जाने लगा है। आनलाइन विज्ञापन का भी मार्केट काफी अधिक विस्तृत हुआ है। विज्ञापनों ने समाचार के स्वरूप को कई प्रकार से प्रभावित किया है। इसमें सबसे मुख्य प्रभाव तो यही रहा कि समाचारों के लिए दिये जाने वाले स्थान एवं समय में कमी कर दी गयी है। यह कमी रेडियो, टीवी एवं समाचारपत्र आदि सभी जगहों पर दिखायी देता है। किन्तु प्रिंट मीडिया का विस्तार से तो अभी यही ज्ञात होता है कि भारत जैसे देष में अभी इसके कारोबार को किसी प्रकार का कोई खतरा नही है। वर्तमान में विभिन्न समाचारपत्रों की वितरण संख्या में लगातार हो रही वृद्धि इस बात का प्रतीक है कि भारत में अभी भी प्रिंट माध्यमों का एक बहुत बड़ा पाठक वर्ग है।

**अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल**

लम्बे समय तक हिन्दी जनमाध्यमों में अंग्रेजी के इस्तेमाल से परहेज किया जाता रहा । इस कारण से अंग्रेजी शब्दों के विकल्प में हिन्दी के शब्दों को ढुढ़ करके लिखा जाता रहा है। यह परम्परा तभी तक संभव हो पायी जब तक कि एक सीमित मात्रा में अंग्रेजी के शब्द रहे। किन्तु न्यू मीडिया के दबाव के कारण अंग्रेजी भाषा का जनमाध्यमों में इस प्रकार से प्रवेष होने लगा कि उसका तत्काल अनुवाद करके प्रस्तुत कर पाना संभव ही नही हो पाया। इसका एक प्रमुख पहलू यह भी रहा कि ये शब्द अपने आप इतने प्रचलित एवं लोकप्रिय हो गये रहते हैं कि उनके जगह पर नये हिन्दी शब्द को प्रचारित करना आसान नही हो पाता है।

विविध प्रकार की तकनीकों, दवाओं, बीमारियों आदि के नाम में से कुछ नाम तो भारतीय समाज के लिए सर्वथा अपरिचित ही रहे हैं। इनमें से कुछ उपकरणों आदि के हिन्दी शब्द बनाने के प्रयास किये गये, किन्तु उनके अंग्रेजी नाम का ही अधिक से अधिक प्रचार हुआ और फिर बाद में उनके हिन्दी अनुवाद के प्रति पत्रकारों का उत्साह नही रहा। पहले की तुलना में वर्तमान भारतीय समाज अंग्रेजी भाषा से कही अधिक परिचित हो गया है। रेडियो, टीवी के साथ साथ न्यू मीडिया पर अंग्रेजी के शब्दों को वे बार बार सुन करके उसके प्रति उतने अपरिचित नही रहे जो कि पहले महसूस करते थे। इस कारण से भी पत्रकारिता में अब अंग्रेजी भाषा के शब्दों को अधिक दिया जाने लगा है ।

प्राइवेट टीवी चैनलों द्वारा हिन्दी कार्यक्रमों में अंग्रेजी के शब्दों के इस्तेमाल की प्रवृत्ति बहुत ही आरम्भ से कर दी गयी। जी टीवी द्वारा जब समाचार आरम्भ किया गया तो उस समय तक दूरदर्षन के समाचारों एवं काफी हद तक हिन्दी समाचारपत्रों में अंग्रेजी शब्दों के जबरदस्त इस्तेमाल से काफी अधिक परहेज किया जाता था, किन्तु बाद में इस प्रकार के परहेज को पूरी तरह से समाप्त किया जाने लगा। धीर धीरे हिन्दी समाचारपत्रों में अंग्रेजी शब्दों की भरमार होने लगी है ।

**समाचार में विषयों की विविधता**

न्यू मीडिया के एक प्रभाव यह हुआ है कि अब जनमाध्यमों पर दिये जाने वाले विषय सामग्री की संख्या

में लगातार बढ़ोत्तरी हो गयी है। हिदी पत्रकारिता में दिये जाने वाले विषयों की काफी अधिक विविधता हो गयी है। वर्तमान में टीवी पर एक वर्ग विषेश को ध्यान में रख करके न केवल समाचार वरन् अन्य प्रकार के कार्यक्रमों का भी प्रसारण किया जाता है। वर्तमान में टीवी कार्यकमों का निर्माण अन्तर्राश्ट्रीय श्रोताओं को ध्यान में रख करके किया जाने लगा है। इस कारण से अंग्रेजी भाषा का उपयोग किया जाना आवष्यकता भी बन गयी। टीवी माध्यम पर विविध प्रकार के कार्यक्रमों को न केवल दिखाया जाता है, वरन् कई इस प्रकार के ऐसे भी कार्यक्रम हैं जिसमें कि विविध रूप में बोले गये संवादों को लिख करके दिया भी जाता है। समाचारों में भी यह काफी अधिक किया जाने लगा है। इस कारण से दर्षकों में मन में अंग्रेजी शब्दों की छवि काफी अधिक बनती जा रही है।

लोगों की सूचना की न केवल आवष्यकता बढ़ी हैं, वरन् यह समाचार माध्यमों के व्यावसायिक कार्य को भी काफी बढ़ावा दिया है। टूरिज्म, खानपान, स्वास्थ्य सम्बन्धी समाचारों के कारण उससे सम्बन्धित लोगों में एक तरफ जागरूकता बढ़ी है और उनमें सम्बन्धित लोगों की इस प्रकार की वस्तुओं के इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। इन वस्तुओं के विज्ञापन का बाजार भी विकसित हुआ है। इस कारण से वर्तमान में जनमाध्यम ऐसे विषयों पर अधिक से अधिक समाचार लेख एवं अन्य प्रकार के सामग्री देने पर जोर देते हैं, जिससे कि उन्हे विज्ञापन प्राप्त हो सके।

**विष्लेशणात्मक समाचारों का महत्व**

न्यू मीडिया के कारण इस पर विविध प्रकार के विष्लेशणात्मक समाचारों का महत्व काफी अधिक होता जा रहा है। सामान्य प्रकार की सूचनाएं सबको मिल जाती है। किन्तु तकनीक के काफी अधिक इस्तेमाल होने के कारण कई बार इस बात का भी खतरा महसूस किया जाता है कि रिपोर्टर अपना मौलिक विचार एवं विष्लेशण छोड़ करके नेट पर उपलब्ध सामग्री का ही सीधे इस्तेमाल कर दे रहे हैं। इस कारण से बातों को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने पर प्रभाव पड़ता है।

**एक दूसरे मीडिया का पत्रकारिता पर प्रभाव**

विविध माध्यम एक दूसरे से हमेषा से प्रभावित होते रहे हैं। यह प्रभाव विविध कारणों से होता रहा है। नये माध्यम से वर्तमान माध्यम के लिए एक चुनौती खड़ी दिखायी देती है और वह इससे निपटने के प्रयास में स्वयं में बदलाव ले आता है। इसमें वे एक दूसरे से लिए समाचार स्रोत एवं सन्दर्भ सामग्री का कार्य कर रहे है। टीवी माध्यम पर सीमित समय में एक सौ या फिर दो सौ खबरों को देना इसी का परिणाम होता है। टीवी समाचार एक कम्पेन के तौर पर दिये जाते हैं। समाचार चैनलों पर ऐसे विषयों को ले करके बहस की जाती है जो कि राजनीतिकतौर पर काफी विवादपूर्ण रूप ले लिये होते हैं।

**सोषल मीडिया का प्रभाव**

सोषल मीडिया ने आज की पत्रकारिता पर अपने ढंग से काफी प्रभाव डाला है। यह पत्रकारिता का एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। इस पर चर्चा किये जाने वाले विषय, विवार एवं प्रतिक्रिया समाचार माध्यमों के लिए कुछ सन्दर्भों में लोगों के विचार जानने का एक स्रोत के तौर पर कार्य करते हैं। सोषल मीडिया पर व्यक्त किये जाने वाले विचारों के कारण से टीवी कार्यक्रम के बारे में निर्णय का तौर तरीका भी बदल रहा है। सोषल मीडिया टीवी देखने के तौर तरीके को भी बदल रहा है। (Rupert Hawksley, 11 Jul, 2013 )

सोषल मीडिया ने पत्रकारिता के समक्ष एक चुनौती देने के साथ उसके लिए एक साधन भी उपलब्ध कराया है। वर्तमान में मीडिया को विविध प्रकार की घटनाओं के बारे में समाचार उपलब्ध कराने की जबरदस्त चुनौती मिल रही है। बहुत सी घटनाएं सोषल मीडिया में पहले आ जाती हैं और मुख्य धारा की मीडिया में उसके बाद में आती हैं। सोषल मीडिया में चल रही खबरों में से बहुत बड़ी संख्या में ऐसी खबरें भी होती हैं जो कि झूठी अथवा अफवाह पर आधारित होती हैं, किन्तु उनके बारे में काफी कुछ कह दिया गया रहता है। इससे निपटने की आवष्यकता होती है।

फेसबुक लोगों के पत्रकारिता के स्वभाव को बदल रहा है। ( Ravi Somaiya , 2014 ) इस सम्बन्ध में किये गये अध्ययन में यह पाया गया कि लोग समाचार साइट पर काफी अधिक समय दे रहे हैं। यह प्रभाव कई तरीके से हो रहा है। (Amy Mitchell, Mark Jurkowitz and Kenneth Olmstead, 2014 )

**पत्रकारिता की गति**

वर्तमान में पत्रकारिता की गति काफी तेज हो गयी है। विविध प्रकार की घटनाओं के बारे मे अधिक से अधिक चैनलों के माध्यम से जानकारी उपलब्ध करायी जाने लगी है। तकनीकों ने पत्रकारिता की गति को काफी अधिक वृद्धि की है। किसी भी प्रकार की घटना के घटने के साथ ही लोगों को उनके मोबाइल पर समाचार का एलर्ट जारी कर दिया जाता है, जिससे कि लोग अब सम्बन्धित साइट को खोल करके समाचार के बारे में और जानकारी प्राप्त करें। रिपोर्टर पर समाचार को काफी षीघ्रता के साथ देने का लगातार दबाव बना हुआ है।

पाठकों के स्वभाव में बदलाव– वर्तमान में पाठकों के मीडिया के प्रति किये जाने वाले तौर तरीके में भी काफी बदलाव आया है। अब वे टीवी पर सिर्फ सुनने अथवा समाचारपत्र को सिर्फ पढ़ने के बजाय काफी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वर्तमान में निम्न प्रकार के क्रिया कलाप होने लगे हैं।

1. –मुख्यतः पाठकों द्वारा सिटिजन पत्रकारिता के तौर पर वैकल्पिक पत्रकारिता का विकास हुआ है।
2. –पाठक स्वयं में एक समाचार स्रोत के रूप में बन गया है।
3. –वह समाचार माध्यम में इन्टरैक्टिव हो कर कार्य करता है।

4. अपने विचारों को देने के लिए ब्लॉग पर विविध रूपों में सामग्री देने लगा है।
5. आनलाइन समाचारों को पढ़ करके उस पर विविध प्रकार से अपने विचार देता है।
6. समाचारों को सीधे लेने के बजाय अन्य समाचार सोतों से उसकी पुश्टि करता है।
7. सोषल मीडिया पर टैक्स्ट,फोटो, आडियो एवं वीडियो आदि रूपों में अपने विचार एवं समाचार सामग्री को पोस्ट करता है। अब आने वाले दिनों में लोगों की भूमिका पहले से कही अधिक होती जायेगी । ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में पाठक समाचारों के स्वरूप के निर्धारण एवं उसके वितरण में भी कहीं अधिक भूमिका निभाने लगेंगे। समाचारपत्र के पाठकों का भी स्वभाव बदल रहा है। (Are newspaper reading habits changing?,By Ninna Lauridsen , Jun 30, 2015 )

**समाचार का विस्तार एवं प्रसार**

नये तकनीकों के कारण से समाचारों को काफी वृहद् क्षेत्र में पहुॅचाना बहुत ही आसान हो गया। अब दुनिया में प्रकाषित किये जाने वाले कोई भी समाचारपत्र को देखा एवं पढ़ा जा सकता है। रेडियो पर प्रसारित समाचारों को सिगनल की समस्या के कारण से पहले जहॉ सुनना काफी कठिन था, वही पर अब इसे आसानी के साथ सुना जाना संभव है । ऐसा इन्टरनेट रेडियो के कारण से संभव हुआ है।

**गेटकीपिंग पर अंकुष**

समाचार माध्यमों के वर्तमान गेट कीपिंग कार्य पर अंकुष लग गया है। किसी भी माध्यम के लिए अब यह संभव नही रह गया है कि वे अब किसी घटना को अपने स्तर से रोक करके अन्य लोगों की नजर से छिपा ले। पाठकों के समक्ष विविध प्रकार के समाचार स्रोतों की इस प्रकार से उपलब्धता होती है कि किसी भी घटना को यदि एक जगह पर नही देख, सुन पाते हैं तो फिर वे उसे दूसरे पर देख सकते हैं। जनमाध्यमों का सूचना वितरण पर पूर्व की तरह रखा जाने वाला एकाधिकार समाप्त हो गया। वर्तमान में समाचारों के लिए लोग काफी हद तक अब स्मार्टफोन पर निर्भर करने लगे हैं। इस कारण से मोबाइल माध्यम को ध्यान में रख करके समाचार तैयार किया जाने लगा है। मोबाइल में एक अलग विज्ञापन मार्केट भी तैयार किया है। अब यह भी माने जाने लगा है कि मोबाइल पत्रकारिता को उसी प्रकार से पत्रकारिता को प्रभावित कर रहा है, जिस प्रकार से कुछ वर्श पूर्व इन्टरनेट ने पत्रकारिता को प्रभावित किया था। (Aleks Krotoski , 2011)

**परसनलाइज्ड न्यूज**

हर कोई पाठक एक ही प्रकार का समाचार पसन्द नही करता है। इस कारण से उसके समाचार को देखने पढ़ने के पिछले रिकार्ड को ध्यान में रख करके समाचार दिया जाता है। इस प्रकार की पत्रकारिता श्रोताओं द्वारा अपने मोबाइल एवं कम्प्यूटर पर इस्तेमाल की जाने वाली सूचनाओं को ध्यान में रख करके किया जाता है। यह पत्रकारिता में एक बहुत ही महत्वपूर्ण परिवर्तन है।

**मोबाइल स्वयं एक अलग पत्रकारिता**

कुछ समय पहले तक मोबाइल को वेब मीडिया का एक विस्तार मात्र समझा जाता रहा है। किन्तु स्मार्ट मोबाइल के आ जाने के बाद अब मोबाइल माध्यम स्वयं आने आप में एक अलग प्रकार की पत्रकारिता का रूप ले ली है। इस माध्यम के लिए उसी प्रकार से सामग्री तैयार की जाने लगी है, जिस प्रकार से रेडियो, टीवी, प्रिंट माध्यमों के लिए पत्रकारिता की जाती है। अब बहुत बड़ी संख्या में व्यक्ति मोबाइल के माध्यम से ही विविध प्रकार के समाचार देखने लगे हैं।

**ओपेन पत्रकारिता**

ओपेन पत्रकारिता के अन्तर्गत विविध प्रकार की सूचनाओं का जाल होता है जिसे कि एक सिस्टम के रूप में कहा जा सकता है। इसके अन्तर्गत आनलाइन पर विविध प्रकार के नये माध्यमों का उदय हुआ है, जिसके द्वारा सूचनाओं को उपलब्ध कराया जाता है। इसमें लोगों की भागीदारी की जाती है। वह लोगों को विविध प्रकार के विषयों पर चर्चा करने, उनको अपने ढंग से सामग्री को पोस्ट करने की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में कई इस प्रकार के साइट भी खुल गये हैं जो कि इसके बारे में काफी अधिक मार्गदर्षन का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार यह पत्रकारिता के दायरें को काफी अधिक विस्तृत भी कर दिया है। इसमें षिक्षण एवं सीख सम्बन्धी सामग्री के बारे में काफी जानकारी दी गयी होती है। (Open Educational Resources: Journalism, http://guides.ou.edu/OER/journalism)

**लाइव स्ट्रीमिंग**

लाइव स्ट्रीमिंग वर्तमान पत्रकारिता का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग बन गया है। इसके माध्यम से लोग सजीव रूप में वीडियो भेज सकते हैं। यह विविध प्रकार की घटनाओं की लाइव कवरेज का एक बहुत ही आसान तरीका बन गया है। लाइव कवरेज की सुविधा यद्यपि पहले से उपलब्ध रहा है, किन्तु मोबाइल के माध्यम से लाइव कवरेज दिये जाने की सुविधा हाल के दिनों में आरम्भ हुआ है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आतंकवादी हमले के समय बहुत से लोगों ने जो कुछ भी देखा, उसकी लोगों के साथ भागीदारी करने के लिए उसे सोषल मीडिया पर पोस्ट किया। विविध प्रकार की उन घटनाओं की भी लाइव स्ट्रीमिंग की जाती है, जो कि लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण होते हैं अथवा जिसमें लोग रूचि लेते हैं। (EJC, June 15, 2016)

इस प्रकार की पत्रकारिता के अपने कई प्रकार के गुण एवं दोश हैं। यह तत्काल लोगों पर अपना प्रभाव डाल सकता है। इसमें लोगों की पूरी भागीदारी संभव होती है और यह सिटिजन पत्रकारिता का एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन है। किन्तु इसके कई नकारात्मक पक्ष भी हैं। इसमें सम्पादकीय नियंत्रण नही होता है। यह पूरी तरह से इन्टरनेट पर निर्भर है। इसमें किसी प्रकार की तकनीकी खामी के कारण समस्या उत्पन्न हो सकती है।

समाचार की गुणवत्ता पर प्रभाव – पूर्व में समाचार को प्रकाषित करने के लिए काफी अधिक पूँजी के निवेष की आवष्यकता होती थी। किन्तु वर्तमान में समाचार के प्रकाषन कार्य काफी सहज है। अब तकनीक का इस्तेमाल करके कोई भी समाचार प्रकाषित कर सकता है। इस कारण से समाचार की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ा है। ऐसे समाचारों पर हर प्रकार से विष्वास कर पाना संभव नही है। इसमें समाचार के मौलिकता पर भी लगातार प्रष्न चिह्न खड़ा रहता है, क्योकि इसे कही से भी ले करके प्रस्तुत कर देना काफी आसान होता है। इस प्रकार यह समाचार एक प्रोफेसनल पत्रकार द्वारा नही दिया गया रहता है। समाचार पर विविध प्रकार के सेलिब्रिटी के बारे में गोसिप भी छपे रहते हैं। वर्तमान में समाचार पर सूचना तकनीकों का इस ढंग से प्रभाव हो गया है कि समाचार देने की जल्दबाजी में वे उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नही दे पाते हैं। इस कारण से भाषा से लें करके तथ्यों तक में कई प्रकार की त्रुटियॉ रहती है। (How the use of new media negatively impacts journalism ? December 16, 2008,)

**भविश्य में नये प्रकार के बदलाव**

पत्रकारिता के क्षेत्र में भविश्य में नये प्रकार के बदलाव की भी लगातार भविश्यवाणी की जाने लगी है। भविश्य में समाचारों की अत्यधिक मार्केटिंग करने की आवष्यकता की बातें हो रही है। सोषल मीडिया समाचार स्रोत के तौर पर कही अधिक इस्तेमाल किया जायेगा। वेब वीडियो जनमाध्यमों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन जायेंगे। वर्तमान में ही वेब सामचार माध्यम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग बन गये हैं। नये मीडिया के कारण से विविध प्रकार के षिक्षण प्रषिक्षण की आवष्यकता पड़ रही है। मीडिया षिक्षण संस्थानों को इस कारण से लगातार अपने पाठ्यक्रम में बदलाव करते रहने की भी चुनौती होती है। वे तकनीक के बारे में जानकारी देने के साथ उसके सैद्धान्तिक पक्ष के बारे में भी बताते हैं। वर्तमान में जो भी पत्रकारिता षिक्षण संस्थान अपने आप में समय के साथ बदलाव नही ला रहे हैं, वे किसी भी प्रकार से उपयुक्त नही कहे जा सकते हैं।

**पत्रकारिता में नये प्रकार की चुनौतियॉ**

नये तकनीकों ने कई प्रकार की चुनौतियॉ भी खड़ी कर दिये हैं। इस कारण से वर्तमान में पत्रकारिता में काफी प्रतिद्वंदिता चल रही है। जनमाध्यमों के लिए नये प्रकार के आय के माडल बनानें की आवष्यकता हो गयी है। समाचारों की मार्केटिंग की करने का प्रचलन हो रहा है। किसी भी प्रकार के समाचार के एक बार प्रकाषित कर देने के पष्चात फिल्मों की तरह ही से उसे भी मार्केटिंग के माध्यम से पाठकों के सामने रखने की आवष्यकता हो रही है। इस प्रकार से समाचारों तक पाठकों को जाने के बजाय समाचार को ले करके जनमाध्यम ही सामने आ रहे है।

मोबाइल एक चुनौती के साथ साथ अवसर के तौर पर सामने आ गया है। अब मोबाइल माडल के तौर पर समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। जनमाध्यमों को अपने विषय सामग्री को इस प्रकार से विकसित करने की चुनौती है जो कि मोबाइल स्क्रीन पर सही तौर पर प्रस्तुत किया जा सके। अतः मोबाइल पर काफी अधिक समय देने की आवष्यकता हो रही है। वर्तमान में पाठकों को जोड़ने के लिए रूचिकर एवं रोचक सामगी को काफी लम्बे रूप में देनें के बजाय संक्षिप्त तौर पर ही देने की आवष्यकता रहती है। जनमाध्यमों के लिए विज्ञापनदाता कम्पनियॉ एक नये प्रतिस्पर्धी के तौर पर कार्य कर रही हैं। वे अब अपने ब्रांड का प्रोमोषन सीधे तौर पर कर रही हैं। सोषल मीडिया की समाचार स्रोत के तौर पर भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। किन्तु सोषल मीडिया पर कई प्रकार की झूठी एवं भ्रामक खबरें भी होती हैं। इसलिए इस पर विष्वास करके समाचार देना खतरे से खाली नही है। बहुत से समाचारपत्र एवं पत्रकार किसी खास प्रकार के समाचार के लिए क्राउड सोर्सिंग के माध्यम से समाचार प्रस्तुत कर रहे हैं।

**निश्कर्श**

इस प्रकार से हम देखते हैं कि वर्तमान में पत्रकारिता का स्वरूप न केवल काफी बदल गया है, वरन आने वाले दिनों में कई प्रकार के बदलाव की संभावना भी दिख रही है। नये तकनीकों के कारण पत्रकारिता में बदलाव की गुंजाइष न केवल बनी हुई है, वरन् इसमें काफी बढ़ोत्तरी की भी संभावना है। अब लोगों की पाठक के तौर पर एक निश्क्रिय एवं सीमित भूमिका के बजाय काफी सक्रिय भूमिका होने लगी हैं। कई अवसरों पर तो वे एक पत्रकार के तौर पर भी कार्य करने लगे हैं। विविध प्रकार के शेध सामग्री का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि नये जनमाध्यमों के प्रभाव का क्षेत्र काफी विस्तृत है और इसमें लगातार बढ़ोत्तरी भी होती जा रही है।

**सुझाव**

जिस गति सें पत्रकारिता में बदलाव हो रहे हैं, उसके सापेक्ष उससे सम्बन्धित विविध पक्षों में भी कार्य करने एवं बदलाव ले आने की आवष्यकता है। उदाहरण के लिए पत्रकारिता जगत में शेध कार्य की जबरदस्त आवष्यकता है। नये माध्यमों के सन्दर्भ में इस प्रकार के शेध कार्य को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिससे कि नये तकनीको का पत्रकारिता में समुचित ढंग से उपयोग किया जा सके। समाचारों को तीव्र गति से देने के दौरान तथ्यों की हर प्रकार से जॉच कर लेना आवष्यक है।

**अध्ययन की सीमा**

1. इस विष्लेशण में पत्रकारिता के क्षेत्र में न्यू मीडिया के कारण बदलाव पर ही चर्चा की गयी है।
2. पत्रकारिता के क्षेत्र विषेश में बदलाव के बजाय इस अध्ययन में सम्पूर्ण परिप्रेक्ष्य में होने वाले बदलाव का विष्लेशण किया गया है।
3. यह अध्ययन एक समय विषेश के सन्दर्भ में ही किया गया है। पत्रकारिता में न्यू मीडिया के प्रभाव में लगातार बदलाव एवं विस्तार हो रहा है।

**सन्दर्भ ग्रंथ सूची**

1. *15 Interesting Ways Technology Has Changed Journalism, April 5, 2012, http://www.topjournalismschools.org*
2. *www.journalism2025.com*

3. *Journalism, Media, And Technology Trends And Predictions 2017, Nic Newman, https://reutersinstitute.politics.ox.ac.uk*
4. *Alastair Reid,4 new ways to use social media for newsgathering,Journalism.co.uk ,Posted: 20 March 2014*
5. *Aleks Krotoski, What effect has the internet had on journalism?, Sunday 20 February 2011 00.05 GMT , https://www.theguardian.com/t*
6. *Alyce McGovern and Sanja Mllvojevic , Social media and crime : the good , the bad and the ugly, October 16,2016, www.the conversation.com*
7. *Ami Sedghi,How popular are the internet and apps for news consumption? Wednesday 2 July 2014 07.30 BST,www.the guardian.com*
8. *Amy Mitchell, Mark Jurkowitz And Kenneth Olmstead, Journalism & Media, Social, Search and Direct ,Pathways to Digital News, MARCH 13, 2014*
9. *Are newspaper reading habits changing? By Ninna Lauridsen | Jun 30 2015 , https://blog.visiolink.com/are-newspaper-reading-habits-changing*
10. *Brain Winston, Media Technology and Society,Routledge,1998*
11. *Felix Hain, Streaming The News: The Opportunities And Dangers Of Live Streaming For Journalism, June 15th 2016 by ECJ ,*
12. *Grant Christian : Media Director , traditional vs. New media: the balancing effect, https://www.absolutemg.com/2014published December 23, 201*
13. *How New Media is Changing TV: Shifts in Consumer Behavior, By Room 214 , March 09, 2011, http://room214.com/strategy/how-new-media-is-changing-tv-shifts-in-consumer-behavior*
14. *How social media is changing the way TV is judged, Telegraph , Rupert Hawksley, 11 Jul 2013,http://www.ebuyer.com/blog/2015/12/how-social-media-is-changing-the-way-we-watch-television/)*
15. *Impact of New Technology on the Traditional Media, A Special Issue of trends in Communication, Edited by David Ward 2003 – Routledge*
16. *Lavanya Rajendran and Preethi The Singharaja ,The Impact of new Media on Traditional Media , Middle East Journal of Scientific Research vol 22 no 4 , 2014*
17. *New media and society: A Study on the impact of social networking sites on indian youth Dr. M. Neelamalar & Ms. P. Chitra Dept. of Media Sciences, Anna University Chennai, India E-mail: nmalar@yahoo.com*
18. *Nic Newman, Digital News report Journalism, Media and technology trends and Predictions, www.reuterinstitute.politics.ox.uk/*
19. *Pradeep Tewar,The Habits of Online Newspaper Readers in India, Journal of Socialomics, 2015*
20. *Ravi Somaiya, How Facebook Is Changing the Way Its Users Consume Journalism, The NewYork Times, OCT. 26, 2014*
21. *Rooh-e-Aslam, Ali, S., & Shabir, D. (2009). A Critical Study about the Impact of Internet on its Users in Pakistan. China Media Research, 5(4), 95-108.*
22. *Siobham McGrath, New Media Technology on the Social Interaction in the Household, 2012*
23. *Social Sharing And The Impact On The News, 30th October 2015, http://www.shawacademy.com*
24. *The Biggest Challenges Facing The News Industry In 2016, https://www.fastcompany.com*
25. *The Future of Sports Journalism in a Technologically Driven World Digital Media February 24, 2015February 24, 2015 Matt Manahan www.sporttechie.com/the-future-of-sports-journalism-in-a-technologically-driven-world*
26. *The impact of new media on society, https://www.researchgate.net/publication/215489586_The_impact_of_new_media_on_society accessed Jul 16, 2017*
27. *The Impact of social media on Students life , Abhishek Karadkar ,2015 , http://www.technicianonline.com*
28. *The Virtual World of Modern Terrorism: Social Media Mapping to Understand Behaviour December 27, 2016, by Alan Malcher (Author) Publisher CreateSpace Independent Publishing Platform (December 27, 2016)*
29. *What Is New Media? Posted February 15th, 2016 by Brian Neese , http://online.seu.edu/what-is-new-media/*